रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 15 सितम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 230 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

ग्राम चौरल में जिला कांग्रेस के नेतृत्व में विशाल धरना प्रदर्शन

आदित्य शर्मा 8224951278

महू/इंदौर। ग्राम पंचायत चौरल सरपंच अशोक सैनी ने बताया स्थानीय समस्याओं को लेकर 14 सितम्बर को कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेडे, सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाशदत्त पांडे चौरल सरपंच अशोक सैनी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। धरना प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं द्वारा नाली बनाने वाली जमीन से अतिक्रमण हटवाने की मांग प्रशासन से की क्योंकि नाली निर्माण न होने के कारण पानी भरा रहता है और उससे चौरल रोड पर बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं को लेकर भी आक्रोश व्यक्त किया गया। अतिक्रमण हटाने पहुंचे अधिकारियों से भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं की अभद्रता और धक्का-मुक्की की घटना को लेकर भी कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विशाल धरना दिया और दोषियों की गिरफ्तारी एवं अतिक्रमण हटाने की मांग की। इस धरना प्रदर्शन में महू विधानसभा क्षेत्र से सैकड़ों कांग्रेसजन शामिल होकर प्रशासन को अपनी ताकत का एहसास कराया। और राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया जिसे तहसीलदार ने प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश साल्वाडिया, जिला पंचायत सदस्य रूमा भुरू भाई, सरपंच कमल चौधरी, किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष जीतू ठाकुर, दौलत पटेल, शक्तिसिंह गोयल, नारायण पटेल, बैकुंठ पटेल, एडवोकेट दिनेश पंचोली, अजय सगर, रमेश पटेल, कैलाश गोयल, शैलेंद्र जाट, रामचंद्र ठेकेदार, मुकेश बुंदेला हेमंत शर्मा, राम लखन, दिनेश सैनी,संजू सैनी,अंकित सैनी,शेखर देवड़ा, ओम पटेल, साकिर खान,अभिषेक यादव, आफीज भाई, दीपक सैनी इत्यादि सैकड़ो कांग्रेस जन और भारी संख्या में माता बहने उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन जुगनू जादवसिंह धनावत ने किया ज्ञापन का वाचन रामचंद्र ठेकेदार ने किया और आभार शैलेंद्र जाट ने माना।

हृदय में भगवती शक्ति की स्थापना के बिना आत्मसाक्षात्कार संभव नहीं

आत्मतत्व जाना नहीं, कोटिक किये जुज्ञान ll
तारे तिमिर न भागही, जब लगे उगे न भाल ll

कबीर दास जी आत्मसाक्षात्कारी संत थे। उपरोक्त वर्णित दोहे में वे कहते हैं। प्रकांड पंडित करोड़ों प्रकार के ज्ञान की बात करते हैं, परंतु उन्हें आत्मसाक्षात्कार न मिलने के कारण उन्हें ''स्वस्वरूप' का या हृदयी स्थित 'आत्माराम का वास्तविक ज्ञान नहीं होता। वे कहते हैं है, यदि हमने वेद, उपनिषद्, गीता, क़ुरान, बाईबल सर्व धर्मग्रंथो का अध्ययन कर लिया, सभी ग्रंथ कंठस्थ कर लेने पर भी यदि हमारे हृदय में देवी शक्ति स्थापित नहीं होती है तो आत्मसाक्षात्कार प्राप्त नहीं होता है ।और हमारा जीवन तब तक अंधकार में रहता है। जिस आत्मसाक्षात्कार रूपी सूरज की बात संत कबीर कर रहे हैं, इसे आज के कलियुग कहे जाने वाले विज्ञानयुग में पाया सकता है। परम पूज्य श्री माताजी निर्मलादेवी द्वारा 1970 से आमजन को ऊपर वर्णित आत्मसाक्षात्कार सहज ही प्राप्त हो रहा है ।

जिस सूक्ष्म शरीर, चक्र और नाड़ियों की बात 'सहजयोग' में की जाती है । इसका वर्णन तो हमें आर्युवेद, वेदों, उपनिषदों में मिल जायेगा, परंतु पुस्तक पढ़कर आत्मसाक्षात्कार नहीं पाया जा सकता। आपको आपकी शुद्ध इच्छाशक्ती जागृत कर इसे परमेश्वरी माँ से माँगना होगा। आप जब इसे सच्चे हृदय से, संपूर्ण श्रद्धा और विनम्रता से इस आत्मसाक्षात्कार को मांगेंगे तो तत्क्षण' माँ भगवती की कृपा होगी, और एक अनिवर्चनीय आनंद की अनुभूति आप अपने अंतः करण में पाओगे। ये अनुभूति इतनी सुंदर होगी की पुनः उसे प्राप्त करने के लिये आपके मन मे लालसा होगी और फिर एक बार आप ध्यान की तरफ जाओगे। हर दिन आपके मन में ध्यान की ललक बनी रहेगी और आप को पता भी नही चलेगा की आप कितने बदल गये, कितने आनंदमय हो गये है । अगर आप भी इसे सीखना चाहते है तो आज ही सीखे सहजयोग ध्यान, अधिक जानकारी के लिए 18002700800 पर कॉल कर सकते हैं।

पिछोर में नेशनल लोक अदालत में 337 प्रकरण में 333 प्रकरणों का हुआ निराकरण

लोक अदालत में आठ दस साल से अलग रह रहे पति/पत्नी का सुलह कराकर भेजा घर

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेंद्र प्रसाद सोनी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला शिवपुरी श्रीमती रंजना चतुर्वेदी के निर्देशानुसार तथा अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति पिछोर राजेश कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में 13 सितंबर शनिवार 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन तहसील सिविल न्यायालय पिछोर में किया गया! इस दौरान सुबह10:30 बजे अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति पिछोर राजेश कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में मां सरस्वती के पूजन, पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया! उक्त कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश पिछोर किशोर कुमार गहलोत तथा अन्य न्यायाधीश गण श्रीमती प्रियंका विश्वकर्मा व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड पिछोर विकास विश्वकर्मा अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड पिछोर तथा सुश्री नेहा प्रजापति प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड पिछोर एवं विधिक सेवा कर्मचारी धर्मेंद्र राजोरिया, सिविल न्यायालय पिछोर के तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों सहित विद्युत मंडल, बैंक, नगर पालिका के अधिकारीगण कर्मचारीगण, न्यायिक खंडपीठों के सुलहकर्ता सदस्य, ब अधिवक्तागण आदि उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में सिविल न्यायालय पिछोर में पांच न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया, जिसमें खंडपीठों में प्रीलिटिगेशन प्रकरण 337 रखे गए, जिनमें से 333 प्रकरण का निराकरण किया गया जिन प्रकरणों में 33,88,866 रुपए सेटलमेंट राशि जमा हुई, कुल 333 व्यक्ति लाभान्वित हुए एवं न्यायालय में लंबित प्रकरणों में 93 प्रकरणों को रखा गया जिसमें से 83 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा कुल 212 व्यक्ति लाभान्वित हुए एवं कुल 69,01,060 रूपये सेटलमेंट राशि जमा हुई। इसके साथ-साथ नेशनल लोक अदालत में 13 सितम्बर 2025 को न्यायालय जिला न्यायाधीश पिछोर किशोर कुमार गहलोत के न्यायालय में लंबित प्रकरण क्रमांक एच एम ए 66/2025 उनमान आवेदक कुलवंत सिंह पुत्र बनवारी लाल राठौर निवासी मायापुर तहसील खनियाधाना द्वारा अधिवक्ता अरविंद भार्गव,अनावेदक महिला सपना द्वारा अधिवक्ता विनीत शर्मा निवासी ग्राम इमलिया शहर थाना मेहगांव जिला भिंड के हिंदू विवाह विवाद में आवेदक एवं अनावेदक वर्ष 2014 से करीब 8 -10 साल से एक दूसरे से अलग रह रहे प्रकरण का नेशनल लोक अदालत में किशोर कुमार गहलोत जिला न्यायाधीश पिछोर की न्यायालय में समझाइश एवं आपसी सहमति के माध्यम से प्रकरण का निराकरण कर दोनों पति-पत्नी एक दूसरे के साथ खुशी-खुशी प्रेम पूर्वक अपने-अपने घर गए।

जिला चिकित्सालय में पदस्थ शासकीय डॉक्टर टीवी के मरीज से कहा सरकारी गोली दवाइयां से ठीक नहीं होते आप मेरे पास मेरी क्लीनिक पर प्राइवेट आओ

शिवपुरी जिला चिकित्सालय टीवी अस्पताल में पदस्य डॉक्टर श्री संकल्प जैन जी द्वारा एक मरीज का इलाज किया गया जो कि मरीज ग्राम गाजीगड़,तहसील बैराड़, जिला शिवपुरी टीवी अस्पताल में अपना इलाज कराने आया जिसमें डॉक्टर श्री संकल्प जैन ने मरीज का इलाज किया जिसमे श्रीमती पपीता धाकड़ जी को यह बताया की सरकारी अस्पताल की दवाइयां से आप ठीक नहीं हो सकते आप मेरी क्लीनिक पर प्राइवेट फीस देकर दिखा लीजिए मैं आपका इलाज सही से कर दूंगा और जांच भी करनी पड़ेगी बाहर से और दवाई भी लेनी पड़ेगी! यह बोलकर मरीज को गुमराह कर दिया गया और अपने पेन से क्लीनिक का नाम और डॉक्टर श्री संकल्प जैन राजश्री रोड ताल्या टोपे के सामने का पता बताया गया जिसमें मरीज प्राइवेट दिखाने गया तो उसे फीस ली इसमें मरीज को प्राइवेट जांच भी करानी पड़ी और दवाइयां भी लेनी पड़ी जो दवाइया पर्चे पर लिखी गई वह डॉक्टर खुद अपनी क्लीनिक से ही पैसे से देता है और सारी जांच श्री राम पैथोलॉजी से कराई गई लेकिन मरीज को आराम नहीं मिला तो वह 5 दिन बाद फिर वापस आया जिसमें डॉक्टर ने बहुत सारी जाँचे प्राइवेट करा ली जो की उससे पहले हो चुकी थी जैसे की एक्स-रे खून की जांच इत्यादि और मरीज का पूरा प्राइवेट खर्चा 30000 ले लिया गया जिसमें मरीज ने बोला कि आपने इतना खर्चा कैसे बता दिया तो वह बोला कि प्राइवेट में तो इतना ही खर्च होता है फिर आपको आराम कहां से मिलेगा सरकारी दवाइयां से आपको आराम नहीं मिलेगा आप मर जाओगे और मरीज को 100% ठीक होने की गारंटी देकर मरीज को सरकारी अस्पताल से प्राइवेट लाया गया जब मरीज को कुछ आराम नहीं मिला तो मरीज ने कुछ बातें कहीं जो कि डॉक्टर ने उनकी बातों पर अनसुनी दी और डॉक्टर ने मरीज से बोला कि आप पर जो हो जाए वह कर देना मेरा कोई कुछ नहीं कर सकता मरीज ने फिर इसकी शिकायत 181 पर कर दी उसके बाद डॉ श्री संकल्प जैन मरीज को कॉल करके बोल रहा है कि आप मेरी शिकायत बंद कर दीजिए नहीं तो आगे से मैं आपका इलाज नहीं कर पाऊंगा और पैसे भी नहीं दूंगा यह बोलकर फोन काट दिया जिसमें मरीज को अभी तक कोई आराम नहीं मिला है शिवपुरी CMHO मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा इससे पहले एक नोटिस दिया गया था कि आप सरकारी अस्पताल से मरीज को अपनी प्राइवेट क्लीनिक पर मरीज का इलाज नहीं कर सकेंगे।

व्यवहार में संतुलन और असंतुलन को समझने की कला है सहज योग

अपने दैनिक जीवन को जीते हुये हम लगातार अपने आसपास के परिवेश व विपरित परिस्थितियों के वशीभूत हो कई अलग-अलग स्तरों पर प्रभावित होते रहते हैं- भावनात्मक रूप से, मानसिक रूप से और कुछ मामलों में शारीरिक रूप से भी। यह उथल-पुथल अकसर तनाव या शारीरिक बीमारियों का कारण बन जाती है। क्रोध, अवसाद, चिड़चिड़ापन व निराशा इसके लक्षण हैं। इनसे कई व्यावहारिक और शारीरिक समस्याएं भी होने लगती हैं। नींद, भूख, और ऊर्जा में कमी होने के साथ-साथ ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत होती है। रोज़मर्रा के बर्ताव या आत्म-सम्मान की भी कमी दिखती है। गहन अवसाद की स्थिति में आत्महत्या के विचार भी आ सकते हैं। असंतुलन के कारणों पर ध्यान देने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह होता है कि हम यह जान सकें कि हम संतुलित हैं या नहीं। व्यवहार में संतुलन और असंतुलन की पहचान करना और असंतुलन से उबरना सीखना आज के समय की सबसे बडी जरूरत है। सहज योग ध्यान की तकनीक से हम हमारे सूक्ष्म शरीर के तीनों चैनलों की, जिनका संबंध हमारे संतुलन और असंतुलन से है, उनका परिचय, उनके महत्व आदि का विस्तार से वर्णन व उसकी सीमाएं बड़ी आसानी से सीख लेते हैं। यही है सहज योग ध्यान का प्रमुख ज्ञान। इस ध्यान के अभ्यास का भी सीधा असर हर मानव शरीर पर पड़ता है। सहज योग के साधक जानते हैं कि असंतुलन का सबसे बड़ा कारण हमारे बांई ओर का असंतुलन है। इस बारे में विस्तार से समझते हैं। मानव तंत्रिका तंत्र को तीन भागों में बांटा गया है: ईड़ा, पिंगला व सुषुम्ना नाड़ी।

गुरुद्वारा बाबा लक्खी शाह बंजारा साहिब जी का भव्य शुभारंभ

राजेश धाकड़

इंदौर, टपाल घाटी, असरावद खुर्द, खंडवा रोड, तेजाजी नगर स्थित गुरुद्वारा बाबा लक्खी शाह बंजारा साहिब जी का रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन केंद्रीय मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा (कैबिनेट मंत्री, दिल्ली) द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशाल गुरमत समागम का आयोजन हुआ, जिसमें प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर से आई संगत ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार बलराम सिंह जी ने बताया कि यह गुरुद्वारा आने वाली पीढ़ियों को गुरु परंपरा से जोड़ने और समाज को आध्यात्मिक मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

समाज की बड़ी भागीदारी

समारोह में बंजारा समाज की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। इस दौरान गुरुद्वारा कमेटी के सचिव जीवन राठौर, जगदीश जाधव, पप्पू राठौर (घुमंतू कार्य जिला संयोजक), गोर बंजारा दल अध्यक्ष रमेश राठौर, रामदास पवार, जसवंत राठौर, सुनिल राठौर और करण सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर संगत को गुरुप्रसाद वितरित किया गया और श्रद्धालुओं ने बाबा लक्खी शाह बंजारा साहिब जी के दरबार में मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया।

रणजीत टाइम्स

लव जिहाद के खिलाफ दलितों ने घेरा बड़गोंदा थाना

दलित किशोरी को मुस्लिम युवक अयान खान ने निकाह के लिए किया प्रताड़ित

घटना की जानकारी मिलते ही महू के ग्राम बैरछा में पहुंचे दलित नेता और हिन्दू संगठन के लोग

आदित्य शर्मा :: 8224951278

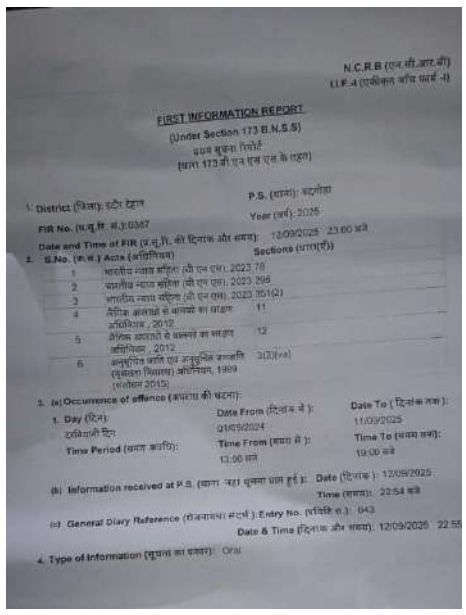

महू। पिछले एक साल से महू निवासी दलित किशोरी को मुस्लिम युवक अयान खान जबरजस्ती निकाह करने के लिए प्रताड़ित कर रहा था एवं कई बार उसने किशोरी को और उसके पिता को जान से मारने की धमकी दी लोक लाज से भयभीत पीड़ित दलित परिवार ने किसी को शिकायत नहीं की। बार बार प्रताड़ित होने पर किशोरी के पिता ने अखिल भारतीय बलाई महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय सोलंकी के माध्यम से दलित नेता मनोज परमार को घटना की जानकारी दी ॥

N.C.R.B (एन.सी.आर.बी)
I.I.F.-I (एकीकृत जांच फार्म -I)

FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 173 B.N.S.S)
प्रथम सूचना रिपोर्ट
(धारा 173 बी एन एस एस के तहत)

1. District (जिला): इंदौर देहात P.S. (थाना): बड़गोंदा Year (वर्ष): 2025
FIR No. (प्र.सू.रि. सं.): 0387
Date and Time of FIR (प्र.सू.रि. की दिनांक और समय): 12/09/2025 23:00 बजे
2. S.No. (क्र.सं.) Acts (अधिनियम) Sections (धारा(एँ))

S.No.	Acts	Sections
1	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	78
2	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	296
3	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	351(2)
4	लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012	11
5	लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012	12
6	अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (संशोधन 2015)	3(2)(va)

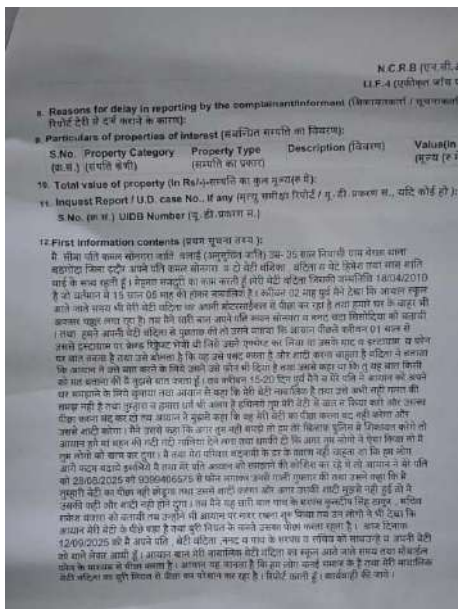

3. (a) Occurrence of offence (अपराध की घटना):
1. Day (दिन): दरमियानी दिन
Date From (दिनांक से): 01/05/2024 Date To (दिनांक तक): 11/09/2025
Time Period (समय अवधि): Time From (समय से): 13:00 बजे Time To (समय तक): 19:00 बजे
(b) Information received at P.S. (थाना जहां सूचना प्राप्त हुई): Date (दिनांक): 12/09/2025 Time (समय): 22:54 बजे
(c) General Diary Reference (रोजनामचा संदर्भ): Entry No. (प्रविष्टि सं.): 043 Date & Time (दिनांक और समय): 12/09/2025 22:55
4. Type of Information (सूचना का प्रकार): Oral

परमार अपने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ महू के ग्राम बैरछा पहुंचे और परिजनों को साथ लेकर थाना बड़गोंदा पहुंचे और आरोपी जिहादी आयन

N.C.R.B (एन.सी.आर.बी)
I.I.F.-I (एकीकृत जांच फार्म -I)

Reasons for delay in reporting by the complainant/informant
Particulars of properties of interest
S.No. Property Category Property Type Description Value
Total value of property
Inquest Report / U.D. case No., if any
First Information contents (प्रथम सूचना तथ्य)

खान के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया। इस दौरान बजरंग दल विहिप दुर्गा वाहिनी की बहने एवं अन्य हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता भी मौजूद थे ॥ इस मौके पर मुख्य रूप से नवीन राठौर

निलेश चौहान सफाई कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष मनीष जेदीय पवन भावसार लखन देपाले दिनेश कुलपारे सहित सैकड़ो की संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इंदौर प्रेस क्लब चुनावः दीपक कर्दम अध्यक्ष निर्वाचित

इंदौर, विश्वगुरु। प्रेस क्लब के प्रतिष्ठित चुनाव में इस बार पत्रकारिता जगत ने नया नेतृत्व चुना है। रविवार को हुए मतदान में कुल 799 मत पड़े। गहमागहमी और उत्सुकता से भरे इस चुनावी समर में अध्यक्ष पद के लिए मुकाबला त्रिकोणीय रहा। नतीजों की घोषणा के साथ ही स्पष्ट हो गया कि पत्रकारों ने अपने संगठन की बागडोर दीपक कर्दम के हाथों में सौंपी है। उन्हें सबसे अधिक 321 मत प्राप्त हुए। प्रतिद्वंदी उम्मीदवार अंकुर जायसवाल ने 258 मत हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि हेमंत शर्मा को 208 मत मिले और वे तीसरे स्थान पर रहे। इस परिणाम ने साफ कर दिया कि क्लब के

अधिकांश सदस्यों ने कर्दम को ही अपना विश्वास और समर्थन दिया। मतदान के दौरान उत्साह देखते ही बनता था—हर मतदाता जानता था कि उसका एक-एक वोट न केवल नेतृत्व का भविष्य तय करेगा, बल्कि संगठन की दिशा और दशा भी।

दीपक कर्दम की जीत को प्रेस क्लब की नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। समर्थकों ने इसे पत्रकारों की एकजुटता और विश्वास का प्रतीक करार दिया। चुनावी नतीजे आते ही समर्थकों में उल्लास का वातावरण बन गया, ढोल-नगाड़ों और नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। अब पत्रकारों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि नया नेतृत्व किस प्रकार पत्रकारों के हितों की रक्षा करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाता है।

मोदी सरकार का उद्देश्य सिर्फ आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है

जीएसटी की दरों में हालिया बदलाव ने छोटे उद्योगों के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं। 2025 में कई सामानों पर जीएसटी की दरें कम की गई हैं। मिसाल के तौर पर, 28 प्रतिशत के स्लैब से कई उत्पादों को 18 प्रतिशत और कुछ को 12 से 5 प्रतिशत तक लाया गया है। कोई भी देश तभी आत्मनिर्भर बन सकता है, जब वह अपनी रोजमर्रा की जरूरतों का सामान खुद बनाए।

शमशेर खरक ।

स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना इस दिशा में सबसे जरूरी कदम है। यही वजह है कि दुनिया भर के देश अपने छोटे और कुटीर उद्योगों को मजबूत करने पर जोर देते हैं। देश की समृद्धि तभी संभव है, जब आयात और निर्यात का संतुलन बना रहे और दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम हो। आज वैश्विक दबावों के बीच भारत में स्वदेशी को बढ़ाने की बात जोर-शोर से हो रही है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ा और सराहनीय कदम उठाया है जीएसटी की दरों में कटौती। उनका लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर बनाना है,और जीएसटी में राहत छोटे उद्योगों को सस्ता कच्चा माल और कम लागत देकर इस सपने को हकीकत में बदलने की दिशा में एक मजबूत कदम है। मोदी सरकार का उद्देश्य सिर्फ आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक आंदोलन भी है। जब देशवासी स्थानीय उत्पादों को अपनाते हैं, तो वे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि अपने इतिहास, कारीगरी और परंपराओं को भी संजोते हैं। आज,भारतीय उपभोक्ता पहले से अधिक सजग हैं। वे समझते हैं कि हर स्वदेशी खरीदारी एक रोजगार का सृजन करती है और एक आत्मनिर्भर भारत की नींव को और मजबूत करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वदेशी भारत का सपना अब एक नई ऊंचाई की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों के बाद अब सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में दी जा रही राहतों के जरिए घरेलू उद्योगों को एक नई उड़ान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा कुछ आवश्यक घरेलू उत्पादों पर जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा की गई है। इसका सीधा लाभ छोटे और मध्यम दर्जे के स्वदेशी निमार्ताओं को मिलेगा। इससे न केवल उनकी उत्पादन लागत घटेगी, बल्कि उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ेगी। उदाहरण के लिए, हैंडलूम वस्त्र, बांस उत्पाद, घरेलू खिलौने और आयुर्वेदिक दवाओं पर जीएसटी दरों में राहत दी गई है, जो ग्रामीण भारत और पारंपरिक उद्योगों को एक नई ऊर्जा देगी।

छोटे कारोबारियों को फायदा

जीएसटी की दरों में हालिया बदलाव ने छोटे उद्योगों के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं। 2025 में कई सामानों पर जीएसटी की दरें कम की गई हैं। मिसाल के तौर पर, 28 प्रतिशत के स्लैब से कई उत्पादों को 18 प्रतिशत और कुछ को 12 से 5 प्रतिशत तक लाया गया है। इससे उत्पादन की लागत कम होगी, खासकर हैंडीक्राफ्ट्स और लेदर-फुटवेयर जैसे क्षेत्रों में, जहां जीएसटी 12 से घटकर 5 प्रतिशत हो गया है। इसका सीधा फायदा यह होगा कि छोटे कारोबारियों को कच्चा माल सस्ता मिलेगा, उनकी लागत 7-8 प्रतिशत तक कम होगी, और वे बाजार में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। इस कदम से न सिर्फ उत्पादन सस्ता होगा, बल्कि उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे टीवी और अन्य सामानों पर जीएसटी 28 से 18 प्रतिशत होने से उनकी कीमतें 7-8 प्रतिशत तक कम हो सकती हैं। इससे लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे, खासकर ऑटो, कंज्यूमर गुड्स और एफएमसीजी जैसे क्षेत्रों में। नतीजतन, छोटे उद्योगों की के

सामान की बिक्री बढ़ेगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वैश्विक बाजार में और प्रतिस्पर्धी बनेंगी

जीएसटी में कटौती का एक और बड़ा फायदा निर्यात के क्षेत्र में दिखेगा। कम टैक्स से भारतीय उत्पादों की कीमतें वैश्विक बाजार में और प्रतिस्पर्धी बनेंगी। खासकर लेदर और फुटवेयर जैसे निर्यात-आधारित उद्योगों को इससे खासा लाभ होगा। ये क्षेत्र लाखों लोगों को रोजगार देते हैं, और इनकी मजबूती से ग्रामीण और छोटे शहरों की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। हैंडीक्राफ्ट्स जैसे क्षेत्रों में कारीगरों को सस्ता कच्चा माल और बेहतर मुनाफा मिलेगा, जिससे उनकी आजीविका सुधरेगी।

वोकल फॉर लोकल का नारा

भारत विविधताओं वाला देश है,जहां हर क्षेत्र की अपनी विशेषताएं, कारीगरी, उत्पाद और संस्कृति है, लेकिन वैश्वीकरण के कारण हमारे देश के लोकल उत्पादों की उपेक्षा होती रही है। इस स्थिति को बदलने के लिए भारत सरकार ने वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो आत्मनिर्भर भारत की नींव रखता है वोकल फॉर लोकल का अर्थ है स्थानीय उत्पादों के लिए आवाज उठाना और उनका समर्थन करना। इसका उद्देश्य है कि हम देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता दें, उन्हें अपनाएं, और उनके प्रचार-प्रसार में मदद करें ताकि स्थानीय उद्योगों और कारीगरों को प्रोत्साहन मिले।

आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम

विदेशी उत्पादों पर निर्भरता को कम कर स्वदेशी उत्पादों को अपनाना भारत को आत्मनिर्भर बना सकता है। जब हम स्थानीय उत्पादों को खरीदते हैं, तो इससे छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिलता है और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। हमारे देश की हस्तकला, कपड़ा उद्योग, मिट्टी के बर्तन, और अन्य पारंपरिक उत्पादों को समर्थन मिलता है। देश में ही उत्पादन और खपत से पैसे का प्रवाह देश के भीतर रहता है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।

आम जनता की भूमिका रहे

हमें विदेशी ब्रांड्स के पीछे भागने की बजाय भारतीय उत्पादों को अपनाना चाहिए। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से लोकल उत्पादों का प्रचार करना चाहिए। त्योहारों और अन्य अवसरों पर भारतीय कारीगरों द्वारा बनाए गए सामान का उपयोग करें। उदाहरण के तौर पर आज खादी, हैंडलूम, हस्तशिल्प, आयुर्वेदिक उत्पाद जैसे पतंजलि आदि को अपनाकर लोग वोकल फॉर लोकल को समर्थन दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश का चिकनकारी, कश्मीर का कढ़ाईदार वस्त्र, और राजस्थान की हस्तशिल्प कलाएं सब हमारी लोकल ताकतें हैं।

गेम-चेंजर साबित होगा फैसला

कुल मिलाकर, जीएसटी सुधार छोटे उद्योगों के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है। यह न केवल उनकी दक्षता बढ़ाएगा, बल्कि टैक्स की जटिलता को भी कम करेगा। हालांकि इससे सरकारी राजस्व में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन लंबे समय में यह अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और विकास दर को बढ़ावा देगा। मोदी जी का यह कदम स्वदेशी को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। यह छोटे उद्योगों को नई उड़ान देने का वादा करता है, जिससे न सिर्फ कारोबारी, बल्कि पूरा देश समृद्ध होगा।

संपादकीय | वर्दी में पुलिस का धर्म सिर्फ कानून है

अदालत ने कहा कि जब एक बार कोई व्यक्ति पुलिस की वर्दी पहन लेता है, तो उसे अपने निजी झुकाव, धर्म, जाति या किसी अन्य प्रकार के पूर्वाग्रह से ऊपर उठ कर कानून के मुताबिक अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। किसी भी मौके पर जब पुलिस के हस्तक्षेप की जरूरत पड़ती है, तब उम्मीद की जाती है कि वह बिना किसी भेदभाव के, पक्षपात किए या दबाव में आए बगैर पीड़ित पक्ष के हक में अपने अधिकारों का उपयोग करेगी। इस क्रम में किसी भी हाल में उसके ऊपर धर्म या जाति से जुड़े आग्रह हावी नहीं होंगे और वह सिर्फ न्याय सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि पुलिस महकमे से जुड़े लोग कई बार अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करने से नहीं हिचकते। ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, जिनमें पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे या किसी खास तबके या समूह के खिलाफ पक्षपात करने के आरोप भी लगे। जबकि कानून की वर्दी पहनने के साथ ही व्यक्ति एक दायित्व से बंध जाता है कि उसे हर हाल में न्याय के पक्ष में खड़ा होना है और पीड़ितों को इंसाफ दिलाने में कानून की सीमा में सभी स्तर पर सहयोग करना है। अफसोस की बात है कि इस तरह के जिन दायित्वों को याद रखना खुद पुलिस महकमे और उससे जुड़े लोगों की अपनी जिम्मेदारी होनी चाहिए, उसके लिए कई बार अदालतों को हस्तक्षेप करना और याद दिलाना पड़ता है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के अकोला में 2023 में हुए दंगे के एक मामले की सुनवाई के दौरान गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने साफ शब्दों में पुलिस को नसीहत दी कि निष्पक्षता ही उसका असली दायित्व है। अदालत ने कहा कि जब एक

बार कोई व्यक्ति पुलिस की वर्दी पहन लेता है, तो उसे अपने निजी झुकाव, धर्म, जाति या किसी अन्य प्रकार के पूर्वाग्रह से ऊपर उठ कर कानून के मुताबिक अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। उसे

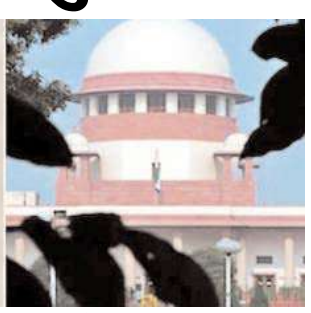

अपने पद और अपनी वर्दी से जुड़े कर्तव्य के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करना चाहिए। हालांकि ये अपेक्षाएं पुलिस महकमे से जुड़े किसी भी अधिकारी-कर्मचारी के काम करने और सोचने के तरीके में बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के शामिल होनी चाहिए, निष्पक्षता और न्याय के पक्ष में काम करना उसके व्यक्तित्व और विचार का स्वाभाविक हिस्सा होना चाहिए।

मगर पहले तो किसी आम नागरिक के सामने पुलिस पर अपने खिलाफ पूर्वाग्रह बरतने और पक्षपात करने का आरोप लगाने की नौबत आती है, फिर शीर्ष अदालत को यह बताना पड़ता है कि पुलिस का काम किसी धर्म या जाति पर आधारित भेदभाव के बिना कानून के मुताबिक निष्पक्ष जांच करना है। सांप्रदायिक दंगों के दौरान कार्रवाई और जांच के संदर्भ में पुलिस पर धार्मिक पहचान के आधार पर पक्षपात बरतने के आरोप अक्सर सामने आए हैं।

कमजोर या वंचित जातियों के लोगों के खिलाफ अपराधों के मामले में भी पुलिस पर रसूख वाले वर्गों के पक्ष में काम करने के आरोप लगते रहे हैं। इस लिहाज से देखें तो अकोला दंगे से संबंधित मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह महाराष्ट्र सरकार को विशेष जांच दल गठित करने और उसमें हिंदू तथा मुसलिम समुदायों के अधिकारियों को शामिल करने का निर्देश दिया है, वह एक तरह से पुलिस की कार्यशैली में छिपे पूर्वाग्रहों को उजागर करता है। ऐसा पहली बार हुआ है कि सुप्रीम कोर्ट ने सांप्रदायिक दंगे की जांच के लिए दोनों समुदायों के अफसरों को शामिल करने का आदेश दिया है। यह याद रखने की जरूरत है कि वर्दी पहनते ही किसी व्यक्ति के साथ यह दायित्व अनिवार्य रूप से जुड़ जाता है कि कानून और न्याय के पक्ष में उसे अपने भीतर के जातिगत या धार्मिक पूर्वाग्रहों और बाहर के दबावों से मुक्त होकर काम करना है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2028 तक भारत का हेल्थकेयर सेक्टर करीब 280 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। फिलहाल लगभग 40 लाख लोगों को इसमें रोजगार मिला हुआ है। उम्मीद है कि सन् 2028 तक इस सेक्टर का वर्कफोर्स करीब 74 लाख के आसपास पहुंच जाएगा। हेल्थकेयर में एफडीआई के आने से मेडिकल टूरिज्म जैसे नए सेक्टर्स उभरकर सामने आए हैं। टेलीमेडिसिन का बाजार भी तेजी से विकसित हो रहा है।

हेल्थकेयर सेक्टर में भी हैं शानदार करियर विकल्प

ऑनलाइन हेल्थकेयर स्टार्ट-अप्स में नए अवसर सृजित हो रहे हैं। तकनीकी विकास के कारण टेक्निकली स्किल्ड प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ रही है। स्पेशलाइज्ड डॉक्टर्स के अलावा पैरामेडिकल प्रोफेशनल्स, लैब टेक्निशियंस आदि को हाथो-हाथ लिया जा रहा है। इसी तरह डायग्नोस्टिक्स और पैथोलॉजिकल लैब्स की संख्या बढ़ने से प्रशिक्षित टेक्निशियंस की काफी मांग देखी जा रही है। मेडिकल फील्ड से जुड़े प्रोफेशनल्स के जरिए जानते हैं इस फील्ड में विभिन्न करियर ऑप्शंस के बारे में।

होम्योपैथी

डॉ. नीतू कहती हैं कि भारत में करियर के लिहाज से होम्योपैथी बेशक स्टूडेंट्स की पहली चॉइस नहीं बनती लेकिन इस पद्धति में लोगों का विश्वास बढ़ता जा रहा है। बात चाहे सरकारी क्षेत्र में जॉब की हो या प्राइवेट प्रेक्टिस की, अगर आपने सही तरीके से पढ़ाई की है और नए घटनाक्रम से अपडेटेड रहते हैं, तो पहचान बनाने में देर नहीं लगती।

वेटरनरी साइंस

डॉ. तीस्ता वाइल्डलाइफ एसओएस के साथ जुड़ी हैं। वे कहती हैं कि वेटरनरी साइंस के क्षेत्र में काफी फील्ड वर्क होता है। इसलिए जो विद्यार्थी इसमें करियर बनाना चाहते हैं, उन्हें टेक्निकली साउंड होने के अलावा मानसिक रूप से भी मजबूत होना चाहिए। सरकारी क्षेत्र के अलावा एनजीओ, वन्यजीवों के लिए काम करने वाली संस्थाओं और प्राइवेट सेक्टर में वेटरनरी डॉक्टर्स की अच्छी मांग है। मगर कहीं भी नौकरी करने से पहले ट्रायल बेसिस पर वर्क एक्सपीरियंस हासिल करना बेहतर रहता है। विदेशों में वेटरनरी डॉक्टर्स को रिसर्च से लेकर तमाम तरह के आइडियाज और कॉन्सेप्ट्स पर काम करने का मौका मिलता है।

फिजियोथैरेपी

आजकल अक्सर लोग पीठदर्द, मांसपेशियों में खिंचाव, स्पॉन्डिलाइटिस, स्लिप डिस्क आदि की शिकायत करते हैं। खिलाड़ियों को भी गाहे-बगाहे चोट लगती रहती है। ऐसे में फिजियोथैरेपिस्ट की मांग दिनो-दिन बढ़ रही है। फिजियोथैरेपिस्ट प्रियंका तिवारी बताती हैं कि विद्यार्थी 12वीं के बाद बीपीटी या डिप्लोमा जैसा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद सरकारी व प्राइवेट हॉस्पिटल्स में ढेर सारे अवसर हैं।

फार्मेसी

एक निजी अस्पताल में फार्मेसी के हैड अमित गुप्ता के अनुसार, फार्मेसी फील्ड में युवाओं के लिए बहुत अवसर हैं। विज्ञान से 12वीं पास युवा बी फार्मा, एम फार्मा या डिप्लोमा करके फार्मा सेक्टर, हॉस्पिटल्स, रिटेल फार्मासिस्ट, क्लिनिकल फार्मासिस्ट, एमआर या मटेरियल मैनेजर जैसे पदों पर जॉब हासिल कर सकते हैं।

लैब टेक्निशियन

अगर आपने केमिस्ट्री में बीएससी/ एमएससी या फिर लैब टेक्निशियन से संबंधित कोई डिप्लोमा किया है, तो आपके लिए स्कोप की कमी नहीं है। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में लैब असिस्टेंट प्रभात सेमवाल कहते हैं कि किसी भी शोध संस्थान, प्राइवेट या सरकारी लैब, फार्मा कंपनी के फार्मा केमिस्ट्री/ बायोकेमिस्ट्री विंग में असिस्टेंट, टेक्निशियन, इंचार्ज, लैब इंस्ट्रक्टर या मैनेजर के तौर पर अच्छा पैकेज और ग्रोथ पा सकते हैं। हां, इस फील्ड में काम करने के लिए इसमें रुचि होना बहुत जरूरी है क्योंकि यह टेक्निकल वर्क है।

कई कोर्स, कई रास्ते

मेडिकल फील्ड में प्रवेश के लिए एमबीबीएस के अलावा बीडीएस (डेंटल), बीएचएमएस (होम्योपैथी), बीएएमएस (आयुर्वेद) जैसे परंपरागत डिग्री कोर्स हैं। इनके अलावा, विद्यार्थी 12वीं के बाद पैरामेडिकल के तहत विभिन्न कोर्स कर सकते हैं, जो डिग्री से लेकर डिप्लोमा, सर्टिफिकेट और शॉर्टटर्म कोर्सेज के रूप में ऑफर किए जाते हैं। देश के सरकारी और प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए ऑल इंडिया या स्टेट लेवल पर होने वाले मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम्स क्लियर करने होते हैं। वहीं एम्स, एएफएमसी आदि अलग से प्रवेश परीक्षा आयोजित करते हैं। कई प्राइवेट यूनिवर्सिटी और कॉलेज भी अपनी प्रवेश परीक्षा लेते हैं।

ऑक्यूपेशनल थैरेपी

मेडिकल साइंस ने काफी तरक्की की है। अब सेरिब्रल पाल्सी, ऑटिज्म, डाउन्स सिंड्रोम जैसी जेनेटिक बीमारियों के शिकार लोगों के लिए भी विशेषज्ञ मौजूद हैं, जिन्हें ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट कहते हैं। ऐसे ही ऑक्यूपेशनल थैरेपिस्ट कपिल कुमार कहते हैं कि इस बीमारी की वजह से शरीर का कोई भी हिस्सा जब काम करना बंद कर देता है, तो इस थैरेपी की मदद से उसे सामान्य बनाया जाता है। आज जो भी युवा इस फील्ड में आना चाहते हैं, वे यह सोचकर आएं कि आने वाले वक्त में उन्हें किसी की उम्मीदों पर खरा उतरना है।

आयुर्वेद

डॉ. परमेश्वर दावा करते हैं कि आयुर्वेद में एक बीमारी के लिए सैकड़ों औषधियां हैं। एमबीबीएस की तरह आयुर्वेद का कोर्स भी साढ़े पांच साल का होता है, जिसमें साढ़े चार साल एकेडमिक्स और एक साल की इंटर्नशिप होती है। प्रोफेशनल्स के सामने सरकारी, प्राइवेट नौकरी से लेकर अपनी निजी प्रेक्टिस करने का विकल्प खुला होता है। वे कहते हैं कि सरकार अगर आयुर्वेद को वैकल्पिक चिकित्सा के तहत प्रोत्साहन, ग्रेजुएट्स को वाजिब स्टाइपेंड दे, तो अच्छे टैलेंट को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

अक्टूबर-दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम

अगस्त में महंगाई दर दो फीसदी से ऊपर

भारी बारिश से खाद्य आपूर्ति को नुकसान होने की संभावना

- दिसंबर में भी ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम
- गैर-खाद्य वस्तुओं पर महंगाई कम होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
अगस्त महीने में मुद्रास्फीति दो प्रतिशत से ऊपर रहने के कारण अक्टूबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हो गई है। एसबीआई रिसर्च ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में यह दावा किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावना भी अनिश्चित नजर आ रही है। दरअसल, चालू वित्त वर्ष की पहली दो तिमाहियों में अनुमान से बेहतर विकास दर को देखते हुए केंद्रीय बैंक के लिए इस तरह का कदम उठाना मुश्किल हो सकता है।

एसबीआई के अनुसार, अगस्त महीने में महंगाई दर दो फीसदी के स्तर से थोड़ी अधिक रही है। ऐसे में अक्टूबर में दर कटौती करना चुनौतीपूर्ण होगा। वहीं, अगर पहली और दूसरी तिमाही के विकास के अनुमान को ध्यान में रखा जाए, तो दिसंबर में भी ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम दिख रही है।

इसमें यह भी कहा गया है कि सेवाओं पर जीएसटी दरों में बदलाव से गैर-खाद्य वस्तुओं पर महंगाई में 40 से 45 आधार अंकों तक की कमी आ सकती है, बशर्ते इन बदलावों का 50 फीसदी असर उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

सरकार ने कई जरूरी वस्तुओं (कुल मिलाकर लगभग 295) पर जीएसटी की दरें घटाकर 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत या यहां तक कि शून्य कर दी

हैं। एसबीआई इकोरैप के अनुसार, इस कर कटौती से वित्त वर्ष 26 में इन वस्तुओं की महंगाई में 25 से 30 आधार अंकों की कमी आ सकती है। बशर्ते इसका 60 प्रतिशत लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) जुलाई 2025 में 98 महीने के निचले स्तर 1.55 प्रतिशत पर पहुंचने के बाद, अगस्त में थोड़ी बढ़कर 2.07 प्रतिशत हो गई। इसका मुख्य कारण खाद्य और पेय पदार्थों की ऊंची कीमतें थीं। कोर मुद्रास्फीति (जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं) भी बढ़कर 4.16 प्रतिशत हो गई।

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में वृद्धि देखी गई । ग्रामीण मुद्रास्फीति बढ़कर 1.69 प्रतिशत हो गई (जुलाई में 1.18 प्रतिशत से) और शहरी मुद्रास्फीति बढ़कर 2.47 प्रतिशत हो गई (2.10 प्रतिशत से)। यह वृद्धि आंशिक रूप से आधार प्रभाव के कम होने के कारण हुई। इसका मतलब है कि वर्तमान मूल्य वृद्धि की तुलना अब पिछले वर्ष की बहुत ऊंची कीमतों से नहीं की जा रही है। अब, कीमतों में वास्तविक वृद्धि अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है।

केरल में महंगाई दर 9.04 प्रतिशत पर पहुंच गई

अगस्त में 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 26 में महंगाई 4 प्रतिशत से कम रही। केवल केरल और लक्षद्वीप में ही मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत से अधिक रही। वहीं केरल में मुद्रास्फीति 9.04 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो राज्य में प्रमुख खाद्य पदार्थ नारियल तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण हुई। केरल में ग्रामीण मुद्रास्फीति 10.05 प्रतिशत और शहरी मुद्रास्फीति 7.19 प्रतिशत तक पहुंच गई। मौसम के मोर्चे पर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात जैसे प्रमुख कृषि राज्यों में भारी बारिश से खाद्य आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं। अगस्त और सितंबर की शुरुआत के बीच पूरे भारत में बारिश सामान्य से लगभग 9 प्रतिशत अधिक रही, जबकि कुछ राज्यों में यह स्तर इससे भी ज्यादा रहा।

अगले छह महीने में चांदी की हॉलमार्किंग भी होगी

प्रमोद तिवारी ने कहा- अभी इसका परीक्षण जारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
सरकार सोने की तर्ज पर अगले छह महीने में चांदी की हॉलमार्किंग को भी अनिवार्य करेगी। एक सितंबर से देशभर में चांदी के आभूषणों और वस्तुओं की स्वैच्छिक आधार पर हॉलमार्किंग हो रही है। भारत मानक ब्यूरो (बीआईएस) के महानिदेशक प्रमोद तिवारी ने कहा, अभी इसका परीक्षण किया जा रहा है और इसके बाद अनिवार्य कर दिया जाएगा। देश में पहले से ही सोने की अनिवार्य हॉलमार्किंग है, इसलिए चांदी के लिहाज से कोई बड़ा संकट नहीं होगा। बीआईएस प्रमुख ने कहा, चांदी की हॉलमार्किंग से उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा होगी। उन्हें चांदी की 100 फीसदी शुद्धता का भरोसा मिलेगा। दुकानदार भी ग्राहकों को धोखा नहीं दे सकेंगे। ग्राहकों का भरोसा मजबूत होगा, उन्हें मिलावटी धातु से तैयार महंगे सामानों से निजात मिलेगी। चांदी की हॉलमार्किंग में बीआईएस का चिन्ह, गुणवत्ता का मानक, और

एचयूआईडी नंबर होगा। सरकार ने चांदी की शुद्धता के छह स्तर तय किए हैं, जिनके आधार पर धातु की शुद्धता को परखा जा सकेगा। बता दें कि इससे पहले केंद्र सरकार ने विगत 4 सितंबर को कहा था कि एक सितंबर से चांदी के गहनों और अन्य वस्तुओं के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू कर दी गई है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने आईएस 2112:2025 के प्रकाशन के साथ हॉलमार्किंग मानक को संशोधित किया है। यह पहले के 2112:2014 आईएस संस्करण का स्थान लेगा। बयान के मुताबिक, नई प्रणाली के तहत उपभोक्ता बीआईएस केयर मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग कर एक सितंबर, 2025 के बाद हॉलमार्क किए गए।

22 सितंबर से जीएसटी दरों में होने वाली कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को दें

दवा निर्माता व चिकित्सा उपकरण उद्योग जीएसटी दर में कटौती का लाभ आम लोगों तक पहुंचाएं

नई दिल्ली, एजेंसी।
राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण यानी एनपीपीए ने दवा कंपनियों और चिकित्सा उपकरण निर्माताओं से कहा है कि वे 22 सितंबर से जीएसटी दरों में होने वाली कटौती का लाभ उपभोक्ताओं को दें। प्राधिकरण ने एक आदेश में कहा, जीएसटी दरों में कमी का लाभ 22 सितंबर, 2025 से उपभोक्ताओं/मरीजों को दिया जाएगा। दवाएं/फॉर्मूलेशन बेचने वाली सभी निर्माता/विपणन कंपनियां 22 सितंबर से दवाओं/फॉर्मूलेशन (चिकित्सा उपकरणों सहित) के एमआरपी को उसी अनुसार संशोधित करेंगी।

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कहा कि दवा निर्माता विपणन कंपनियों, डीलरों, खुदरा विक्रेताओं, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को संशोधित मूल्य सूची या पूरक मूल्य सूची जारी करेंगी। इसमें संशोधित जीएसटी दरों और संशोधित एमआरपी का विवरण

होगा। आदेश में कहा गया है कि निर्माता और विपणन कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया सहित संचार के सभी संभावित चैनलों के माध्यम से डीलरों, खुदरा विक्रेताओं और उपभोक्ताओं को जीएसटी दरों में कटौती के बारे में जागरूक करने के लिए तत्काल उपाय करेंगी।

एनपीपीए ने अपने आदेश में कहा, उद्योग संघ 22 सितंबर, 2025 से संशोधित जीएसटी दरों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए डीलरों/खुदरा विक्रेताओं तक पहुंचने के लिए स्थानीय समाचार पत्रों सहित प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापन भी जारी कर सकते हैं।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्माता/विपणन कंपनियां दिए गए उपायों के जरिए खुदरा विक्रेता स्तर पर मूल्य अनुपालन सुनिश्चित कर सकती हैं, तो 22 सितंबर, 2025 से पहले बाजार में जारी किए गए स्टॉक के कंटेनरों या पैक के लेबल को वापस मंगाना, पुनः लेबलिंग करना या पुनः स्टीकर लगाना अनिवार्य नहीं है। 56वीं जीएसटी परिषद ने प्रमुख दवाओं पर जीएसटी की दर 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य करने की सिफारिश की है। जिन दवाओं पर पहले 12 प्रतिशत की दर लागू थी, उन्हें 5 प्रतिशत की दर में नहीं बदला गया है।

मोदी सरकार दे रही क्रेडिट कार्ड, 5 लाख है लिमिट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अब तक के कार्यकाल में कई ऐसी योजनाएं शुरू की हैं जिसके तहत लोगों को बिजनेस के लिए लोन मिलता है। वहीं, कुछ ऐसी भी योजनाएं हैं जिसके तहत क्रेडिट कार्ड पेश किया जा रहा है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के लिए भी एक ऐसी योजना है।

दरअसल, बीते फरवरी महीने में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा था कि उद्यम पोर्टल पर रजिस्टर्ड सूक्ष्म उद्यमों के लिए 5 लाख रुपये तक की लिमिट वाले क्रेडिट कार्ड पेश किए जाएंगे। वित्त मंत्री ने बताया था कि पहले साल में 10 लाख कार्ड जारी किए जाएंगे। यह कदम भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। यह क्रेडिट कार्ड व्यवसायों को हर दिन के काम के प्रबंधन के लिए पैसे उपलब्ध कराते हैं। उदाहरण के लिए इक्युपमेंट, सामान खरीदने और अन्य संबंधित व्यावसायिक खर्चों को पूरा करने में मददगार है। ये कार्ड व्यावसायिक व्यय पर नजर रखने में भी मदद करते हैं। इस प्रकार, खर्च की निगरानी और विनियमन आसान हो जाता है।

कपड़ा उद्योग के राजस्व में आ सकती है 5 से 10 फीसदी की गिरावट

● क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट में दावा ● तीन प्रमुख कारक कपड़ा उद्योग को सहारा दे सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिकी टैरिफ से घरेलू कपड़ा उद्योग के राजस्व में 5-10 फीसदी की गिरावट आ सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में यह दावा किया है। इस उद्योग में निर्यात की हिस्सेदारी लगभग तीन-चौथाई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बावजूद तीन प्रमुख कारक भारतीय कपड़ा उद्योगों को सहारा दे सकते हैं। इसमें अप्रैल से अगस्त 2025 के बीच बिक्री का मजबूत वृद्धि। दूसरा चीन, पाकिस्तान और तुर्की जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की सीमित निर्यात क्षमता खासकर उन उत्पाद श्रेणियों में जहां भारत को कम टैरिफ का फायदा है और भारतीय विनिर्माताओं का वैकल्पिक वैश्विक बाजारों की ओर रुख करना शामिल है। इसके अलावा यह कंपनियों की कर्जमुक्त बैलेंस शीट क्रेडिट प्रोफाइल पर पड़ने वाले दबाव को आंशिक रूप से कम कर सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स के उप मुख्य रेटिंग अधिकारी मनीष गुप्ता ने कहा कि होम टेक्सटाइल्स विवेकाधीन उत्पाद हैं। अमेरिका को इसके निर्यात इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 2-3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है। खुदरा विक्रेता मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के बीच मांग को लेकर सतर्क बने हुए हैं। लेकिन 27 अगस्त से उच्च टैरिफ के कार्यान्वयन से पहले, कुछ ऑर्डरों की अग्रिम लोडिंग के कारण निर्यात में तेजी आई थी। गुप्ता ने आगे कहा कि इसके अलावा, प्रतिस्पर्धी देशों में कपास आधारित घरेलू वस्त्र उत्पाद बनाने की सीमित क्षमता होने के कारण, भारत निकट भविष्य में अमेरिकी बाजार में अपनी

प्रतिस्पर्धी स्थिति बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए। इससे इस वित्त वर्ष में उद्योग के कुल राजस्व में गिरावट 5-10 प्रतिशत तक सीमित रहनी चाहिए। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसका असर उन कंपनियों पर ज्यादा पड़ने की उम्मीद है जो अपनी आधी से अधिक आय अमेरिका से कमाती हैं। क्रिसिल रेटिंग ने आगे कहा है कि अमेरिका में कम खरीद की भरपाई के लिए, भारतीय निर्माता यूरोपीय संघ (ईयू) और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ व्यापार बढ़ाने की कोशिश करेंगे। पिछले वित्त वर्ष में भारत के घरेलू कपड़ा निर्यात में इन भौगोलिक क्षेत्रों का कुल योगदान 13 प्रतिशत था।

अमेरिका में महंगाई के चलते मांग में गिरावट

शाही ने कहा कि अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यातकों को ऊंचे टैरिफ का कुछ बोझ खुद उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा अमेरिका में महंगाई के चलते मांग में गिरावट की आशंका है। संभावित अधिक आपूर्ति का दबाव न सिर्फ अन्य निर्यात गंतव्यों बल्कि घरेलू बाजार में भी मार्जिन पर असर डाल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, नतीजतन इस वित्त वर्ष उद्योग स्तर पर परिचालन लाभप्रदता पिछले साल की तुलना में 200-250 आधार अंकों तक कम हो सकती है।

घरेलू निर्यातक अब ब्रिटेन और यूरोपीय संघ पर ज्यादा फोकस कर सकते हैं। हाल ही में ब्रिटेन के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते और यूरोप में बढ़ते अवसरों ने भारतीय कंपनियों के लिए नए रास्ते खोले हैं। हालांकि, क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक गौतम शाही के अनुसार, इन वैकल्पिक बाजारों से राजस्व बढ़ाने में समय लगेगा।

सर्वब्राह्मण विकास परिषद के द्वारा अक्टूबर में होगा चिकित्सक सम्मान समारोह

सर्वब्राह्मण विकास परिषद कानपुर की बैठक केन्द्रीय कार्यालय दर्शन पुरवा कानपुर मे प्रदेश अध्यक्ष पं कौशल किशोर अवस्थी की अध्यक्षता मे हुई। मुख्य अतिथि सर्वब्राह्मण विकास परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं कमल किशोर अवस्थी ने भगवान परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रजवलित कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक मे अक्टूबर 2025 को ब्राह्मण चिकित्सक सम्मान समारोह कानपुर क्षेत्र का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। ब्राह्मण चिकित्सक सम्मेलन मे कानपुर क्षेत्र जिले कानपुर, कानपुर देहात, कन्नौज, फरुखाबाद ,इटावा एवं औरया के ब्राह्मण चिकित्सको आमंत्रित किया जा रहा है। कानपुर क्षेत्र के 1100 ब्राह्मण चिकित्सको को इस अवसर पर सम्मानित किया जायेगा तथा अक्टूबर के द्वितीय सप्ताह मे लखनऊ जिले की पूर्वी विधानसभा क्षेत्र मे 76 वी विधानसभा मे ब्राह्मण समागम समारोह आयोजित किया जायेगा प्रदेश मे इसके अप्रैल 2025 से 403 विधानसभा क्षेत्रों मे से 75 ब्राह्मण समागम समारोह आयोजित किये जा चुके है। बैठक को कौशल किशोर अवस्थी, संजीव मिश्रा, महेश त्रिवेदी, शानू पाण्डेय, श्रीमती अजलि तिवारी, नीलम तिवारी, शिव मुखी पाण्डेय, सुरूचि पाण्डेय शशी कान्ता अवस्थी आदि ने विचार व्यक्त किया।

माँ राज राजेश्वरी त्रिपुर सुन्दरी बगलामुखी धाम, ग्राम भंडारिया : श्रद्धालुओं की आस्था का नया केंद्र

खंडवा, विगत 3 अप्रैल 2010 से निरंतर आस्था का प्रवाह

जिला खंडवा के ग्राम भंडारिया में स्थित माँ राज राजेश्वरी त्रिपुर सुन्दरी बगलामुखी धाम आज श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केन्द्र बन चुका है। यह पावन धाम 3 अप्रैल 2010 को माँ बगलामुखी एवं गुरु कृपा से स्थापित हुआ था। तब से लेकर अब तक यहाँ जनमानस की आस्था, श्रद्धा और विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है।

चार महाविद्याओं की अद्वितीय स्थापना

गुरुजनों की आज्ञा और माँ की कृपा से ग्राम भण्डारिया में सर्वशक्ति मौ चार महाविद्याएँ स्थापित की गईं। यहाँ माँ बगलामुखी, माँ धूमावती, माँ महाकाली और माँ कामाख्या अपने दिव्य स्वरूप में विराजमान हैं। यह विरल संयोग क्षेत्र के लिए गौरव की बात है, क्योंकि एक ही धाम पर शक्तिपीठ के समकक्ष चार महाविद्याओं का दर्शन मिलना दुर्लभ है।

शिव–विष्णु के दिव्य धाम का भी दर्शन

धाम परिसर में शिव मंदिर, शिव परिवार तथा विष्णु–लक्ष्मी मंदिर भी स्थापित हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन आरती, पूजन और भजन संकीर्तन के माध्यम से भक्तों को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति होती है।

विशेष प्रतिमाएँ : उच्छिष्ट गणेश और रुद्र हनुमान

माँ की कृपा से यहाँ उच्छिष्ट गणेश, स्वर्णाकर्षण भैरव तथा एकमुखी और ग्यारहमुखी रुद्र हनुमान की दुर्लभ प्रतिमाएँ भी स्थापित हैं। धर्मग्रंथों में वर्णन है कि इन देव स्वरूपों की साधना से भक्त की हर मनोकामना पूर्ण होती है तथा जीवन की बाधाएँ दूर होती हैं।

गुप्त धाम अब सबके लिए प्रकट

स्थापना काल से यह स्थान गुरु आदेशानुसार गुप्त रखा गया था, किंतु अब गुरु की आज्ञा से इसे सर्व जनमानस के लिए प्रकट कर दिया गया है। यहाँ साधना और हवन–पूजन करने वाले श्रद्धालुओं की हर समस्या का समाधान माँ की कृपा से होता है। भक्तगण बताते हैं कि धाम में की गई साधना अलौकिक फल प्रदान करती है।

श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र

आज यह धाम न केवल खंडवा जिले बल्कि आसपास के जिलों के श्रद्धालुओं के लिए भी आस्था का प्रमुख केन्द्र बन गया है। लोग यहाँ परिवार सहित पहुँचकर पूजा–अर्चना करते हैं और माँ से जीवन की मंगल कामनाएँ करते हैं।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

इंदौर : संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 'परिक्रमा कृपा सार' का किया विमोचन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री की पहली नर्मदा परिक्रमा की कृति का विमोचन

आदित्य शर्मा

नर्मदा परिक्रमा पर पुस्तक 'परिक्रमा कृपा सार' को मिली सराहना

इंदौर 14 सितंबर 2025 । रविवार को इंदौर का ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर श्रद्धा और विश्वास के संदेश से गूंज उठा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने यहां नर्मदा खंड सेवा संस्थान के कार्यक्रम में शिरकत करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल की लिखी पुस्तक 'परिक्रमा कृपा सार' का विमोचन किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भागवत ने पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ की। इस मौके पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी मौजूद रहे। विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख परमपूज्य डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि उन्हें बताया गया कि यह पुस्तक नर्मदा परिक्रमा के अनुभवों पर आधारित है। "मैंने इसे मान्य कर लिया क्योंकि नर्मदा परिक्रमा हमारे देश में बहुत बड़ी श्रद्धा का विषय है। हमारा देश श्रद्धा का देश है। यहां कर्मवीर भी हैं और तर्कवीर भी। तर्क और शास्त्रार्थ में हमारा देश कभी पीछे नहीं रहा, लेकिन जीवन चलाने के लिए श्रद्धा और विश्वास की आवश्यकता होती है। उन्होंने आगे कहा, "जिन्हें जड़वादी कहा जाता है, वे भी अब मानने लगे हैं कि दुनिया श्रद्धा और विश्वास पर चलती है। कुछ लोग सोचते हैं कि वैज्ञानिक बुद्धि ही सबकुछ है, यानी प्रत्यक्ष प्रमाण चाहिए। लेकिन यह जरूरी नहीं कि हर जगह प्रत्यक्ष प्रमाण मिले। भारत की जो श्रद्धा है, वह काल्पनिक नहीं है। इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। जिन्होंने प्रयास किया है उन्होंने अनुभव किया है। हमारे यहां श्रद्धा को साकार रूप दिया गया है। देवी-देवताओं के रूप में, भवानी और शंकर के रूप में। भगवान हमारे भीतर ही हैं, लेकिन श्रद्धा और विश्वास के बिना उनके दर्शन संभव नहीं।"

परमपूज्य के सराहनीय उदाहरण दुनिया में विश्वास से ही व्यवस्था चलती है

परमपूज्य डॉ मोहन भागवत ने उदाहरण देते हुए कहा कि दुनिया में कई चीजें विश्वास पर चलती हैं। "कुछ लोग मजिस्ट्रेट के पास गए और बोले हम एक कंपनी हैं – नाम है जनरल मोटर्स। मजिस्ट्रेट ने मान लिया। जबकि उस वक्त जनरल मोटर्स जैसी कोई कंपनी अस्तित्व में नहीं थी। लेकिन आज जनरल मोटर्स हर साल लाखों कारें बनाती है, करोड़ों का कारोबार करती है, लाखों लोगों को रोजगार देती है। यह सब क्या है? यही विश्वास की ताकत है," उन्होंने कहा। संघ प्रमुख ने जीवन की चुनौतियों पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि पहले गला और जेब काटने का काम दर्जी करते थे, अब पूरी दुनिया कर रही है। "बाज और कबूतर की कहानी सिखाती है कि ज्ञान और कर्म दोनों जरूरी हैं। केवल ज्ञानी होकर निष्क्रिय रहना गड़बड़ी करता है। जीवन एक नाटक की तरह है, जहां हर व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होती है। अंत में हमारी असली पहचान आत्मा की होती है।

माननीय प्रहलाद पटेल जी का संबोधन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने इस अवसर पर नर्मदा परिक्रमा से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले इस पुस्तक को छपने से मना कर दिया था। "मैं नर्मदा को बेचना नहीं चाहता था। नर्मदा हमारी माता है। नदियां हमारी विरासत हैं, ये हमारा जीवन है। 30 वर्षों में मुझे दो मौके मिले 2005 में जब मैंने दूसरी बार नर्मदा परिक्रमा की और उसके बाद मैं केंद्र में संस्कृति मंत्री बना। तब मेरे सहयोगियों ने कहा कि अब इसे छपने देना चाहिए । मेरे पास नर्मदा यात्रा के 72 घंटे के वीडियो फुटेज और किनारे के दृश्य हैं । डिस्कवरी चैनल के लोग भी मुझसे इसको लेकर मिलने आए, लेकिन मैंने तब भी कहा कि मैं नर्मदा को बेचना नहीं चाहता।उन्होंने बताया कि 'परिक्रमा कृपा सार' का विमोचन सिर्फ विमोचन नहीं है बल्कि एक संकल्प भी है। "इस पुस्तक की एक-एक पाई गौसेवा और परिक्रमा वासी के कल्याण में लगेगी। नर्मदा परिक्रमा केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, पर्यावरण और जीवन से जुड़ा एक गहरा अनुभव है । इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित मंत्रिमंडल के साथी, छत्तीसगढ़ी,उत्तराखंड, मणिपुर समेत कई राज्यों की राजनैतिक शख्शियत मौजूद रहीं। महामंडलेश्वर ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए नर्मदा और सेवा भाव को लेकर सभी आगंतुक साथियों को नर्मदा सेवा की प्रतिबद्धता को लेकर प्रेरित करने को लेकर दोहराया। उन्होंने कहा कि नर्मदा मध्य प्रदेश की जीवनरेखा है। नर्मदा परिक्रमा केवल धार्मिक नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण और समाज सेवा का भी संदेश देती है। देश भर से आए पथिक और सहयोगियों के साथ अतिथियों ने पुस्तक विमोचन पर माननीय मंत्री प्रहलाद पटेल को बधाई दी। सभी ने एक स्वर में कहा इस तरह के प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। पुस्तक में मंत्री प्रहलाद पटेल के निजी अनुभव, उनकी यात्राएं, नर्मदा किनारे की संस्कृति, संतों और साधकों से हुई मुलाकातें और नर्मदा की आध्यात्मिकता का विस्तृत विवरण है। पुस्तक में नर्मदा परिक्रमा से जुड़े दुर्लभ दृश्य और चित्र भी शामिल किए गए हैं। इस भव्य और दिव्य समागम के माध्यम से श्रद्धा, विश्वास, पर्यावरण संरक्षण और भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक बनने की प्रेरणा दी। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने भी 'परिक्रमा कृपा सार' पुस्तक के विमोचन को एक ऐतिहासिक क्षण बताया।